ढाकणा परिसर के 7 गांवों में जलसंकट

अवैध कनेक्शन के कारण लो वोल्टेज की समस्या, शिकायत करने पर भी महावितरण नहीं दे रहा ध्यान

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
धारणी, 22 दिसंबर - चिखलदरा तहसील के अढाव व गडगा भांडूम ग्राम पंचायत अंतर्गत 7 गांवों की जलापूर्ति योजना गत एक माह से मंद पड़ी है. जिसके कारण शीतकाल में कृत्रिम जलकिल्लत निर्माण हुई है. धारणी महावितरण द्वारा की जा रही बिजली आपूर्ति के बीच अनेक अवैध बिजली कनेक्शन लिए जाने से ढाकना क्षेत्र में लो वोल्टेल की समस्या निर्माण हुई है.धारणी से 20-25 किमी दूरी पर स्थित बोरीखेडा, सावऱ्या, गडगा भांडूम, दाभ्या, ढाकणा, अढाव गांव में लो वोल्टेज बिजली आपूर्ति की समस्या से सभी जलापूर्ति योजनाएं बंद पड़ी हैं. यह सातों गांव चिखलदरा तहसील में दुर्गम स्थान पर रहकर धारणी के समीप रहने से धारणी उपकेंद्र से इन गांवों को महावितरण द्वारा बिजली आपूर्ति की जाती है, लेकिन वायरमैन और अधिकारियों की अनदेखी से हमेशा लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है. 30 किमी तक बिछाए बिजली तारों से अनेक किसानों को डायरेक्ट अवैध कनेक्शन दिए गए हैं. इस बारे में धारणी बिजली कार्यालय से शिकायत भी की गई है. फिर भी कार्रवाई न होने से लो वोल्टेज व कई बार बिजली आपूर्ति बंद रहने से आदिवासियों को शीतकाल में जलकिल्लत का सामना करना पड़ रहा है. धारणी तहसील से सटे ढाकना क्षेत्र की ओर बिजली कर्मचारी ध्यान नहीं देते. संबंधित अवैध कनेक्शन धरकों से कुछ लेन-देन का व्यवहार रहने से अधिकृत बिजली ग्राहकों को उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है.महावितरण के धारणी उपविभाग में ढाकणा क्षेत्र के सभी गांवों में व्याप्त बिजली समस्या की ओर तत्काल ध्यान देकर उपाययोजना करने की मांग जोर पकड़ रही है. ऐसा नहीं किया गया तो शीघ्र ही गांव-गांव में जनसभाएं लेकर आंदोलन करने की मानसिकता पर आदिवासी उतर आए हैं.

वन नेशन वन इलेक्शन से देश का हित

'प्रतिदिन अखबार' के पाठकों ने व्यक्त की प्रतिक्रिया

परतवाड़ा,संवाददाता/प्रतिदिन अखबार 21 दिसंबर - लोकसभा में एक देश, एक चुनाव बिल पेश कर जेपीसी के पास भेज दिया गया है. इस विषय पर देश की राजनीति में चर्चा चल रही है. लोकतांत्रिक देश के इतिहास में यह एक बड़ा कदम है. जहां इसके अनेक सकारात्मक पहलू हैं, वहीं इस संदर्भ में कई अनुत्तरित सवाल भी हैं. इस विषय पर व्यापक चर्चा की जरुरत है. 'प्रतिदिन अखबार' ने अपने प्रिय पाठकों से इस संबंध में उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी. जिसको प्रतिसाद देते हुए पाठकों ने दिल खोल कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की. प्रस्तुत है पाठकों की प्रतिक्रियाएं.

भ्रष्टाचार पर लगेगी लगाम

एक देश एक चुनाव अत्यंत ही सराहनीय कदम है. यह निर्णय देश हित में है. निश्चित रुप से इस निर्णय से देश को लाभ होगा. देश का करोड़ों-अरबों रुपए का खर्चा बचेगा. यह पैसा जनता के कल्याण में लगाया जा सकता है. दो बार आचार संहिता लगाने से चार महीने तक विकास के काम रुक जाते हैं. इसलिए विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हो तो यह जनहित में ही होगा. केंद्र सरकार ने जो यह फैसला लिया है, इसका समर्थन करता हूं. देशहित में यह अच्छा फैसला है.

बंटी केजडीवाल, युवा स्वाभिमान पदाधिकारी, परतवाड़ा

इस विधेयक में खामियां हैं

इतने बड़े पैमाने पर चुनाव कराना एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती है. यदि किसी राज्य सरकार का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनाव कराए जाते हैं, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़ा कर सकता है और सभी राजनीतिक दलों को सहमत कराना कठिन है. एक देश एक चुनाव विधेयक में कुछ खामियां हैं. इस विधेयक को पहले भी लाने का प्रयास हुआ. 1967 से आज तक इस पर संसद में आम सहमति नहीं बन पाई है.

ज्ञानेभर राउत, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता

श्रीमती राधाबाई सारडा महाविद्यालय में संत गाडगे बाबा को आदरांजलि अर्पित

राष्ट्रीय सेवा योजना पथक का कार्यक्रम

संवाददाता/ प्रतिदिन अखबार
अंजनगाव सुर्जी, 22 दिसंबर- संत गाडगे बाबा एक महान संत हैं, जिन्हें एक रचनात्मक और समर्पित समाज सुधारक के रूप में जाना जाता है, देबू से संत गाडगे बाबा तक की अपनी यात्रा में उन्होंने मुख्य रूप से समाज सेवा के माध्यम से धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में भयानक और उतनी ही क्रूर प्रथाओं को समाप्त किया, वह जगतगुरु संत तुकाराम महाराज के शब्दों का एक अनुकरणीय उदाहरण थे. कीर्तन के माध्यम से संत गाडगे बाबा ने जो रचनात्मक विचार और प्रगतिशील दृष्टिकोण प्रस्तुत किए वे आज भी उतने ही उपयोगी और प्रेरणादायक हैं, ऐसी बात श्रीमती राधाबाई सारडा कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, अंजनगांव सुर्जी ने राष्ट्रीय सेवा योजना टीम के माध्यम से कॉलेज प्राचार्य डा. बशिष्ठ चौबे ने कही. उन्होंने कहा कि संत गाडगे बाबा ने जो आदर्श समाज के सामने रखा, वह आज भी प्रासंगिक हैं. संत गाडगे बाबा की पुण्य तिथि के अवसर पर कॉलेज के विद्यार्थियों को संत गाडगे महाराज के विचारों को अपनाने का संदेश मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. कविता मालोकर, प्राचार्य, मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. सत्येन्द्र गडपायले, मुख्य वक्ता प्रो. हेमन्त मांगले (प्रोफेसर, इंदिरा गांधी जूनियर कॉलेज, दहिगांव रेचा) एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नितिन घोडेले, डॉ. मंच पर अनिकेत भुयार और डॉ. नविता मलानी ने अपील की. कार्यक्रम में हेमन्त मांगले ने संत गाडगे बाबा की जीवनशैली तथा उनके क्रांतिकारी एवं प्रगतिशील विचारों एवं कार्यों पर प्रकाश डाला. मांगले ने कहा कि गाडगे बाबा ने कीर्तन के माध्यम से जो आंदोलन खड़ा किया, वह आम जनता को शोषण से मुक्ति दिलाने का आंदोलन था. संत गाडगे बाबा द्वारा कृषि, किसान, समाज में व्याप्त क्रूर कुरीतियों एवं अंधविश्वासों पर संत गाडगे बाबा की ओर से किए गए समाज सुधार कार्यों पर मंथन किया एवं उपस्थित छात्र-छात्राओं से संवाद किया. कार्यक्रम का परिचय डॉ. सत्येन्द्र गडपायले ने दिया. कार्यक्रम का संचालन श्रावणी शिंगणे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कोमल शेरकर ने किया. कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डा. ममता येवतकर, डा. नितिन सराफ, डॉ. विवेक पाटिल, डॉ. मगेश डगवाल, अर्चना चव्हाण, दीपमाला बेलसरे के साथ-साथ भार्गवी सरकटे, निशांत ठाकरे, शेख हसन, वेदिका नवले, चेतन वानखड़े, प्रतीक गवई, तुषार सहारे, विक्की रायबोले, अभिषेक धर्मे, नीतू नेमाडे, समीक्षा भांबुरकर और मयूरी अकोटकर का सहयोग रहा.

प्रेम और मानवता हर धर्म का मूलमंत्र है

मोझरी गुरुकुल के निदेशक रवि मानव का प्रतिपादन

धारणी में दारुल उलूम मदरसा ने किया अभिनंदन

धरणी, 22 दिसंबर- राष्ट्रसंत तुकडो जी महाराज के अनुसार केवल प्रेम और मानवता ही हर धर्म का मंत्र है. केवल एक ही ईश्वर है, जो हमें भोजन और पानी देता है. मोझरी स्थित गुरुकुल के संचालक रवि मानव ने कहा कि हर धर्म में सिर्फ भगवान का नाम अलग-अलग है, वे धारणी में दारुल उलूम मदरसा में मौलाना सैयद सलीम नदवी की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे. हरिहर नगर में आयोजित कार्यक्रम के समापन के बाद रवि मानव मोझरी लौटते समय, रवि मानव धारणी में दारुल उमूम मदरसा के मौलाना सैयद सलीम नदवी से मिलने मदरसा गए. मौलाना सैयद सलीम ने मदरसे में रवि मानव से मुलाकात की और उनका भव्य स्वागत किया. सम्मान समारोह के बाद रवि मानव ने मदरसा छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें राष्ट्रीय एकता के बारे में मार्गदर्शन दिया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज ने लोगों में सर्वधर्म समभाव की भावना पैदा की. तुकडोजी महाराज ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान में हुए सभी धार्मिक सम्मेलनों में भी यही आदर्श वाक्य दिया था. धर्म कोई भी हो, मानवता और प्रेम ही हर धर्म का मूलमंत्र है. एक ही ईश्वर है, जो हमें हवा, पानी और भोजन देता है. हर धर्म में सिर्फ भगवान के नाम अलग-अलग हैं. मानव ने कहा कि राष्ट्रीय एकता को जांचना जरूरी है. दिलचस्प बात यह है कि अपने भाषण के दौरान रवि मानव ने विभिन्न उदाहरण देकर धरणी में हिंदू-मुस्लिम सद्भाव की भी प्रशंसा की, इतना ही नहीं, उन्होंने इस भव्य अभिनंदन के लिए दारुल उमुल मदरसा के मौलाना सैयद सलीम नदवी को धन्यवाद दिया और उन्हें अपने साथ मोझरी स्थित गुरुकुल आश्रम में आने का निमंत्रण भी दिया. दारुल उमुल मदरसा में हुए इन कार्यक्रमों की हर स्तर से सराहना का जा रही है.

संत गाड़गेबाबा की पुण्यतिथि पर व्याख्यान

मोर्शी - स्थानीय भारतीय कॉलेज में रासेयो टीम व सांस्कृतिक विभाग द्वारा संयुक्त तौर पर संत गाड़गेबाबा की पुण्यतिथि पर व्याख्यान व स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया. प्राचार्य डॉ. आर.जी. बांबोळे ने गाड़गेबाबा की प्रतिमा को पुष्पमाला अर्पण कर अभिवादन किया. कॉलेज परिसर में रासेयो स्वयंसेवकों ने गाजर घास व प्लास्टिक निर्मूलन कर स्वच्छता अभियान चलाया. डॉ. संदीप राऊत ने विद्यार्थियों को बताया कि, गाड़गेबाबा ने सर्वसामान्यों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण स्थापित किया.

विहीगांव बीट स्तरीय जिला परिषद

प्राथमिक विद्यालय खेलकूद, प्रतियोगिता का कोकरदा में समापन

अंजनगांव सुर्जी, - विहीगांव बीट स्तरीय जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय खेल प्रतियोगिता हाल ही में सर्वोदय विद्यालय, कोकरदा में आयोजित की गई. इस खेल महोत्सव का उद्घाटन ग्रुप एजुकेशन ऑफिसर बी. आर. गिरासे ने किया. इस अवसर पर सर्वोदय शिक्षा संस्था के कोषाध्यक्ष संजय देशमुख कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं विद्यालय पोषण अधीक्षक राजेंद्र बोकाडे, विस्तार अधिकारी भास्कर घनमोड़े, डी.डी. खंडारे, प्रिंसिपल सुनील लावले, टीचर्स बैंक के उपाध्यक्ष मोहम्मद नाजिम, केंद्र प्रमुख गजानन बोरोले, विकास भडांगे, राहुल रोकड़े, एसएमसी उपाध्यक्ष प्रवीण वानखड़े और निसार विहगांव एसएमसी अध्यक्ष उपस्थित थे.कार्यक्रम में स्वागत गीत प्राचार्य सुनील लावले एवं सर्वोदय विद्यालय के मनोज जौलक ने प्रस्तुत किया.

विधायक तायडे ने संतरा प्रकल्प व फिन्ले मिल पर खींचा सरकार का ध्यान

परतवाड़ा, 22 दिसंबर - विधानसभा चुनाव के बाद पहला शीतकालीन अधिवेशन नागपुर में 16 से 20 दिसंबर तक हुआ. 5 दिवसीय अधिवेशन में अचलपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रवीण तायडे ने बड़े ही प्रभावशाली रुप से अपनी बात को विधानसभा के पटल पर रखते हुए किसानों के लिए संतरा उद्योग और बंद पड़ी फिन्ले मिल को शुरू करने की मांग सरकार के सामने रखी.पहले ही अधिवेशन में विधायक प्रवीण तायडे ने इन दोनों विषय को रख कर अपने तेवर बता दिए कि, अचलपुर विधानसभा निर्वाचन में विकास को लेकर वे सरकार के सामने दो टूक बात रखेंगे. शीतकालीन अधिवेशन में प्रश्नकाल के दौरान विधायक प्रवीण तायडे ने अचलपुर में संतरा उद्योग देने के साथ साथ फिन्ले मिल शुरू करने की मांग रखी. साथ ही अचलपुर-परतवाड़ा शहर के लिए बाईपास, ओवरब्रिज का निर्माण तथा मजीप्रा के काम में होने वाली अनियमितता की ओर सरकार का ध्यान खींचा. अचलपुर विधानसभा निर्वाचन में सबसे ज्यादा संतरा फल का उत्पादन होता है. लेकिन किसी प्रकार का प्रक्रिया उद्योग नहीं होने से अचलपुर तहसील के संतरा उत्पादक किसानों को लाभ नहीं मिलता. इसलिए विधायक प्रवीण तायडे ने इस मुद्दे को प्रोसेडिंग में दर्ज करवाने के साथ-साथ मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा है. उन्होंने फिन्ले मिल शुरू करने के लिए साथ ही बाईपास प्रकल्प का मसौदा जल्द से जल्द पास करने की मांग सदन के पटल पर रखी है.

शीतकालीन अधिवेशन में उठाया मुद्दा

स्टेट बैंक के कर्मचारियों ने शुरू किया अनशन

स्थाई रुप से नौकरी देने की मांग

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
परतवाड़ा, 22 दिसंबर - भारतीय स्टेट बैंक की परतवाड़ा सिविल लाइन शाखा के सामने बैंक के कुछ अस्थायी कर्मचारियों ने शासकीय नियमों का हवाला देते हुए उन्हें स्थायी रुप से बैंक में नौकरी देने की मांग करते हुए आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया है. इस शाखा में काम करने वाले 6 अस्थायी कर्मचारी आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं.

भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा में अस्थायी रुप से 6 कर्मचारियों ने 240 दिन से अधिक काम किया. इसके बाद उन्हें काम पर से हटा दिया गया. अब काम पर से हटाए गए इन कर्मचारियों का कहना है कि, केंद्र सरकार के नियमानुसार जो कोई भी कर्मचारी किसी संस्था में 240 दिन काम करता है.

उसे स्थायी रुप से काम पर रखने के साथ-साथ केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई सभी शासकीय नियमानुसार लाभ देना चाहिए. इसलिए भुख हड़ताल पर बैठे स्टेट बैंक परतवाड़ा शाखा के 6 अस्थायी कर्मचारियों ने इन नियमों का हवाला देते हुए उन्हें स्थायी रुप से नौकरी देने की मांग की है. भूख हड़ताल पर बैठे अस्थायी कर्मचारी अरुण दीक्षित, सुनील डवले, राजेश आके, 1996 से 2003 तक सिपाही पद पर कार्यरत थे. अब यह कर्मचारी 1947 के कनून के अनुसार स्थायी रुप से नौकरी देने की मांग कर रहे हैं.

क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता में जिले को प्रथम स्थान दिलाएं- सौरभ कटियार

विभागीय क्रीडा स्पर्धा के उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी का प्रतिपादन

संवाददाता/ प्रतिदिन अखबार
मोर्शी, 22 दिसंबर- जिले की पालिका प्रशासन के सभी कर्मचारी तथा अधिकारी क्रीडा स्पर्धा में भाग लें, ऐसी स्पर्धा के कारण कर्मचारियों के स्वास्थ्य तथा काम का तनाव दूर हो जाता है, इसके लिए इस तरह की स्पर्धा प्रशासन के सभी विभाग में की जानी चाहिए, ऐसा प्रतिपादन जिलाधिकारी सौरभ कटियार ने मोर्शी नगर परिषद की ओर से आयोजित की गई नगरपरिषद कर्मचारी के जिला क्रीडा महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर तहसील क्रीडा संकुल में किया. जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कर्मचारी व अधिकारी खेल प्रतियोगिता का आनंद लें तथा क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता में अमरावती जिले के प्रथम स्थान दिलाएं. कार्यक्रम में मोर्शी शहर के पूर्व महापौर अप्पासाहेब गेदाम, श्रीमती सुमंगल श्रीराव, राजाभाऊ बेले, कैलास फंदे, रेशमा और नितिन उमाले, विद्या और विनोद धवले, प्रतिभा कटिस्कर, मेघना और मोहन मडघे आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे. जिलाधिकारी सौरभ कटियार ने रेखा कोडापे को शॉल एवं सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम में तहसीलदार राहुल पाटिल, सुमेध अकेले (संयुक्त आयुक्त नगर परिषद प्रशासन अमरावती), पराग वानखड़े (प्राचार्य मोर्शी), प्रवीण मानकर, प्राचार्य वरुड, विजय लोहकरे प्राचार्य, शिवदास मुसले प्राचार्य चांदूर रेलवे, डॉ. विकास खंडारे, पूर्व नगरसेवक डॉ. प्रदीप कुरहाड़े, नितिन उमाले, ज्योतिप्रसाद मालवीय, सुनीता कोहले, नईमखा रहमतखा, प्रतिभा फंदे आदि उपस्थित थे.कार्यक्रम की शुरूआत आदिवासी नृत्य से हुई और उक्त नृत्य का आयोजन वरुड नगर पालिका की ओर से किया गया था. कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन नजमा शाह ने किया. कार्यक्रम की सफलता के लिए नगर परिषद के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अथक परिश्रम किए.

'एक्सीडेंट स्पॉट' के पास सूचना फलक लगाएं

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
चिखलदरा, 22 दिसंबर - विदर्भ के एकमात्र हिल स्टेशन चिखलदरा में प्राकृतिक सुंदरता निहारने लाखों पर्यटक आते हैं. बरसात तथा ठंड के दिनों में खासकर पर्यटकों की भीड़ बढ़ती है. कई बार दुर्घटनाएं होती हैं और निरपराध लोगों को जान गंवानी पड़ती है. पर्यटकों की जान की रक्षा करना प्रशासन की जिम्मेदारी है. इसलिए एक्सीडेंट स्पॉट के पास सूचना फलक लगाकर लोगों को सतर्क करना तथा आवश्यक स्थानों पर रेलिंग लगाना जरूरी हो गया है. प्राकृतिक रूप से समृद्ध मेलघाट के चिखलदरा की ओर आते समय सेलिब्रेशन के मोड में दुर्घटना का खतरा रहता है इसलिए ऐसे स्थानों पर इशारा देने वाला बोर्ड लगाना जरूरी है. क्योंकि अनेक पर्यटक पहली बार चिखलदरा आते हैं उन्हें डेंजरस स्पॉट की जानकारी नहीं रहती. आवश्यक स्थानों पर रेलिंग लगाने का काम भी तत्काल करना जरूरी है.एक वर्ष पूर्व चिखलदरा- परतवाड़ा रोड पर मडकी के बाद सुबह के समय सड़क के बाजू में स्थित स्पॉट की ओर गाड़ी ले जाते ही वह अचानक नीचे गिर गयी और उसमें चार पर्यटकों की मृत्यु हुई. इसे एक साल से ज्यादा कालावधि बीतने पर भी अभी तक रेलिंग नहीं लगाए गए हैं. शायद प्रशासन किसी गंभीर दुर्घटना की राह देख रहा है, ऐसा कहना पड़ रहा है. जत्रा डोह, पंचबोल, भीमकुंड, गाविलगढ़ किला, बिच्छु प्वॉइंट आदि स्थानों पर खतरा हो सकता है इसलिए वहां सुरक्षा का बंदोबस्त करना आवश्यक है. चिखलदरा नगर परिषद प्रशासन इस ओर ध्यान दे, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की जा रही है. चिखलदरा के कुछ प्वॉइंट वन विभाग अंतर्गत समाविष्ट है इसलिए वन विभाग ने प्वॉइंट को रेलिंग लगाकर पर्यटकों की सुरक्षा देखनी चाहिए. इसके अलावा अनेक प्वॉइंट पर लाल मुंह वाले बंदर हंगामा मचाते हैं. कई बार पर्यटकों के साथ हरकतें करते हैं. इस ओर भी ध्यान देकर उनका बंदोबस्त करना आवश्यक है.

सुरक्षा के लिए रेलिंग लगाना आवश्यक

नागरिकों से सहयोग की उम्मीद

वनविभाग अंतर्गत प्वॉइंट पर सुरक्षा की दृष्टि से उपाययोजना की गई है. भीम कुंड प्वॉइंट पर जाली लगाई है. पंचबोल व जत्रा डोह प्वॉइंट पर भी सुरक्षा की दृष्टि से उपायोजना की गई है. बरसात के दिनों में हर प्वॉइंट पर हमारे प्रतिनिधि तैनात रहते हैं. बंदरों को पकड़ने के लिए हमने पिंजरे लगाए थे, लेकिन कुछ लोगों ने वह भीमकुंड की खाई में फेंक दिए. इसलिए नागरिकों से सहयोग भी जरूरी है और कुछ प्वॉइंट के लिए हमने प्रस्ताव भेजे हैं.

यशवंत बहाले विभागीय वन अधिकारी चिखलदरा

धारणी की गलियों में अंधेरे का साम्राज्य

नगर पंचायत की लापरवाही उजागर

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
धारणी, 22 दिसंबर - धारणी नगर पंचायत द्वारा धारणी शहर के कई वार्डों में रात में स्ट्रीट लाइट बंद होने की वजह से अंधेरा छाया हुआ है और इस पर नगर पंचायत की लापरवाही उफान पर दिखाई दे रही है. इसी नगर पंचायत में करीब पांच वर्ष से प्रशासन राज रहने से कार्यालय में जनसामान्यों के छोटे मोटे कामों के लिद दर-दर की ठोकरें खाना पड़ रहा है, इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है.

धारणी शहर के प्रभाग क्रमांक 9 एवं 2 में नप द्वारा स्ट्रीट लाइट नहीं लगाने से वहां के टिंगरया रास्ते पर गड्ढों में हादसे हो रहे थे और

आस-पास की झाड़ियों में सांप, बिच्छू से नागरिकों को खतरा बढ़ गया था, इसके लिए शहर के समाजसेवक सूरज मालवीय ने स्वखर्च से बड़े-बड़े बजाज कंपनी के करीब 10 से 15 लाइट लगवाए, जिससे प्रभाग क्र 9 में नागरिकों को राहत मिली है.